आओ मिल-जुल गायें
LET'S SING

मूल्य: 2 रू.

सितम्बर, 1986

सामूहिक प्रकाशक

काली और विमेन
एन-84 पँचशील पार्क
नई दिल्ली-110017

जागोरी
बी-5 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
साऊथ एक्सेटेन्शन पार्ट I
नई दिल्ली-110049

Price: Rs. 2
September, 1986

PRODUCED JOINTLY BY

Kali for Women
N-84 Panchsheel Park
New Delhi-110017

JAGORI
B-5 Housing Board Colony
South Extension Part I
New Delhi-110049

आओ मिल जुल गायें

	पृष्ठ
हम सब हँसती गाती आईं	4
कॉन्फ्रेन्स में हमसे मिलीं तुम	6
कॉन्फ्रेन्स पर टप्पे	8
बल्ले बल्ले	10
आई हैं रे	12
पर लगा लिये हैं हमने	14
आ गई चेतना	16
तोड़ तोड़ के बन्धनों	18
ये वक्त की आवाज़ है	20
तू खूद को बदल	22
नारीवाद क्या है	24
हसबैन्ड कहता है	28
झूँठे धर्मों ने	31

Let us sing

	Pages
Ham sab hansati gaati aain	5
Conference men humse milin tum	7
Conference par tappe	9
Balle Balle	11
Aai hain re	13
Par laga liya hain hamane	15
Aa gai chetana	17
Tod tod ke bandhanon	19
Ye waqt ki aavaaz hai	21
Tu khud ko badal	23
Narivaad kya hai	26
Husband kahata hai	30
Jhunthe dharmon ne	31

WELCOME

Welcome to the Conference.

Welcome to Punjab and to singing with us.

The group organising the workshop on media is trying to get out of the workshop rooms and into the open with songs which are an example of alternative media created by women.

Singing has been an important part of our culture, specially of women's culture. For centuries through the medium of songs, women have expressed their leavs, anxieties, frustrations, joys and dreams. Using the same old tradition, we are singing our perceptions of reality, our new consciousness and our strength. Our creativity is finding new expression in these songs. The echoes of such songs are coming from different parts of our country and the world and they prove that our strength, creativity and links are growing.

Most of these songs are based on Punjabi tunes, to give you a flavour of virile, melodious and warm Punjab.

Come, let's sing!!

Organisers of the workshop on "Struggles against sexist media".

Third National Conference on Women's Studies

Punjab University, Chandigarh,

1-4 Octo. 1986.

आओ मिल जुल गायें

स्वागत

कॉन्फ्रैन्स में आपका स्वागत है
पंजाब में आपका स्वागत है
(पंजीबी में कहते हैं ''जी आया नूं'')

हम, 'मीडिया' पर वर्कशाप आयोजित करने वाले कमरों से बाहर–खुले में–निकल रहे हैं–गाने ले कर, ऐसे गाने जो हम औरतों ने ख़ुद बनाये हैं और जो हम आप सब के साथ गाना चाहते हैं।

गीत और संगीत हमारी संस्कृति का हिस्सा है, ख़ास तौर से औरतों की संस्कृति का। सदिओं से गीतों के माध्यम से औरतें अपने डर, परेशानी, दुःख, खुशी और अपने सपनों का इज़हार करती आई है। इसी पुरानी परम्परा को लेकर अब हम भी गा रहे हैं अपने नज़रिये, अपनी बढ़ती हुई चेतना और शक्ति के गीत। हमारी फ़नकारी इन गीतों में छलक रही है। ऐसे ही बहुत गीतों की आवाज़ हमारे देश और दुनिया के अलग अलग कोनों से उठती सुनाई दे रही है, लगता है हमारी संख्या, हमारी शक्ति और एक दूसरे के साथ हमारे रिश्ते बढ़ रहे हैं।

इस किताब में ज़्यादातर गाने पंजाबी लोकगीतों की धुनों पर हैं ताकि हम सब प्यार और जोश भरे नाचने-गाने वाले पंजाब का ज़ायका ले सकें।

संयोजक ''स्ट्रगल्स अगेन्स्ट सैक्सिस्ट मीडिया'' वर्कशॉप
थर्ड नैशनल कौन्फ्रेंस औन विमेन्ज़ स्टडीज़
पंजाब यूनीवर्सिटी, चन्दीगढ़,
1-4 अक्तूबर, 1986

हम सब हँसती गाती आईं

हम सब हँसती गाती आईं नैशनल काँफ्रेन्स में
थर्ड नैशनल काँफ्रेन्स में
सब धूम मचाती आईं नैशनल काँफ्रेन्स में
थर्ड नैशनल काँफ्रेन्स में

मोटे पर्चे होंगे-हाँजी
खूब चर्चे होंगे-हाँजी
थ्योरियाँ नई बनेंगी-हाँजी
सहेलियाँ कई बनेंगी-हाँजी

देश के कोने कोने से देखो बहनें आईं-2
समझ बढ़ाने दोस्त बनाने की वो ख्वाहिश लाईं-2
नैशनल काँफ्रेन्स में

भेदभाव और मतभेदों की गुत्थी हम सुलझायें-2
मिलजुल कर हम ज्ञान बढ़ायें मिल कर नाचें गायें-2
नैशनल काँफ्रेन्स

थ्योरी ऐक्शन दोनों का गर मिलन यहाँ हो जाये
दोनों की ही खूब तरक्की दोनों ही रंग लायें
नैशनल काँफ्रेन्स में

फैमिनिस्ट रिसर्च है वो जो जीवन से जुड़ जाये
सच्चा ज्ञान वही है जो जो लोगों के काम आये
नैशनल काँफ्रेन्स में

कामयाब हों मिलन तभी जब सब मिल आगे जायें
शमा इल्म की ऐसी हो कि जग रोशन हो जाये
नैशनल काँफ्रेन्स में

कमला भसीन

(पंजाबी गीत "नी मैं कत्ताँ परीताँ नाल चरखा चन्दन दा" की धुन पर आधारित)

Ham sab hastee gaatee aayeen National Conference me

Ham sab hastee gaatee aayeen National Conference me
Third National Conference me
Ham sab dhoom machaatee aayeen National Conference me
Third National Conference me

Mote parche honge — haanji
Khoob charche honge — haanji
Theoriyaan nayee banengi — haanji
Saheliyaan kayee banengi — National Conference me

Desh ke kone kone se hain dekho bahne aayeen — 2
Samajh badhaane, dost banaane kee wo khwaahish layeen—2
National Conference me ....

Bhed bhaav aur mat bhedon kee gutthee hum suljhaayen — 2
Mil jul kar ham gyaan badhaayen mil kar naachen gaayen — 2
National Conference me ...

Theory action dono kaa gar milan yahaan ho jaaye
Dono kee ho khoob taraquee dono hee rang laayen
National Conference me ...

Feminist research wahee jo jeevan se jud jaaye — 2
Sachcha gyaan wahee hai ji jo lagon ke kaam aaye—2
National Conference me

Kaamyaab ho milan tabhi jab sab mil aage jaayen — 2
Shama ilm kee aisi ho ki jag roshan ho jaaye — 2
National Conference me

Kamla Bhasin

(Based on the Punjabi tune "Nee main kattaan pareetaan naal charkha chandan daa")

कॉन्फ्रेन्स में

कॉन्फ्रेन्स में हम से मिली तुम बहना
तुम से मिली हम --- कॉन्फ्रेन्स में

कान में भनक पड़ी और --- हम चले आये – हम चले आये
अपने साथ उलझनों के ढ़ेर भी लाये – ढ़ेर भी---
हम जो मिल के बैठेंगे खोलेंगे पेचो ख़म
कुछ बढ़ोगे तुम कुछ बढ़ेंगे हम कॉन्फ्रेन्स में

फ़ैमीनिस्ट आये हुये हैं मार्कसिस्ट आये – मार्कसिस्ट आये
ग्रासरूट लैवल वाले एक्टिविस्ट आये – एक्टिविस्ट आये
चर्चा कर के गाने गा के पास हम आयें,
फ़र्क मिटायें, एका बढ़ायें – कॉन्फ्रेन्स में

पेट्रीआर्की ने हमें कितना सताया – कितना---
फ़ैमिनिज़म ने हमें कुछ और उलझाया – कुछ और
हिस्टौरिकल मैटीरिअलिज़म बीच में आया
बीच में आया-2 कॉन्फ्रेन्स में

कब मिलें कहाँ मिलेंगे कैसे बतायें – कैसे
बार बार मिलने की हम आस लगाये – आस---
ख़त तुम्हारा मिले तो हम खुशियाँ मनायें –
खुशियाँ मनायें-2 कॉन्फ्रेन्स में

("बरसात में तुम से मिले" की धुन पर)

एक वर्कशॉप में पाकिस्तान और हिन्दुस्तान की महिलाओं द्वारा रचित)

Conference Me

Conference me ham se mileen tum bahnaa
tum se milee ham — Conference me

Kaan me bhanak padee aur ham chale aaye — ham chale aaye
Apne saath uljhano ke dher bhee laaye — dher bhee laaye
Ham jo mil ke baithenge kholenge pecho kham
Kucch badhoge tum, kuchh badhenge ham

Feminist aaye huye hain marxist aaye — marxist aaye
Grassroot level waale activist aaye — activist aaye
Charcha kar ke, gaane gaa ke paas ham aayen
Farq mitaayen, eka badhaayen — Conference me

Patriarchy ne hamen kitna sataaya — kitna sataaya
Feminism ne hamen kuchh aur uljhaaya — kuchh aur uljhaaya
Historical materialism beech me aayaa
Beech me aayaa, beech me aayaa — Conference me

Kab milen kahaan milenge kaise bataayen — kaise bataayen
Baar baar milne kee ham aas lagaaiyen — aas lagaaiyen
Khat tumhaara mile to ham khushiyaan manaaye
Khushiyaan manaayen — khushiyaan manaayen Conference me

(Hindi tune "Barsaat me")

(An Indo-Pak Women's
group wrote this song in a South Asian Workshop)

कॉन्फ्रेन्स पर टप्पे

– लोग मरीज़ों को लाये हैं
उन को ख़बर पड़ी बड़े डॉक्टर आये हैं
– ये दवाई वाले डॉक्टर नहीं
ये किताबें लिखते हैं जिन्हें कोई नहीं पढ़ता
व– र्कशॉप में जाना है
स्टोव मेरा बन्द पड़ा उसे ठीक कराना है
– ये वर्कशॉप अनोखी है
कौनसैप्ट्स और थ्योरियों की यहाँ मरम्मत
होती है
– कॉन्फ्रेन्स में जाना है
स्कौलर्स पेपर पढ़ें हमने खाना और गाना है
– इतना मोटा पर्चा है
समझा कोई नहीं पर ज़ोरों की चर्चा है
– पेपर सारे हम उठा लेंगे
रद्दी बेच बेच के खर्चा निकालेंगे
– से कैसा मेला है
झूलें, दुकानें नहीं न कोई ठेला है
– ये स्कौलर्स का मेला है
जो जार्गन न समझे वो बिल्कुल अकेला है
– वर्कशॉप में आया करो
डेटा हम देंगे तुम थ्योरी बनाया करो
– डेटा सब से ले लेंगे
फिर झटपट लिख पर्चा अपने नाम से छपा देंगे
– देखो बुद्धिजीवी आते हैं
लम्बे लम्बे लफ़्ज़ों से सब को बुद्धू बनाते हैं
– कॉन्फ्रेन्स में जायेंगे
थ्योरी प्रैक्टिस का हम फ़र्क मिटायेंगे

कमला भसीन

(पंजाबी टप्पों की धुन पर)

Conference par tappe

Log mareezon ko laaye hain
unko khabar padee bade doctor aaye hain

Ye dawaai waale doctor naheen
Ye kitaaben likhte hain jinhe koi padhta naheen

Workshop me jaana hai
Stove mera band pada use theek karaana hai

Ye workshop anokhee hai
Concepts aur theories kee yahaan marammat hoti hai

Conference me jaana hai
Scholars papers padhen hamne khaana aur gaana hai

Itna mota parcha hai
Samjha koi naheen par zoron kee charcha hai

Ye kaisa mela hai
Jhoole, dukaane naheen na koi the la hai

Ye scholars ka mela hai
Jo jargon na samjhe wo bilkul akela hai

Workshop me aaya karo
Data ham denge tum theory banaaya karo

Data sab se le lenge
Phir jhatpat likh parcha apne naam se chhapa denge.

Dekho buddhijeevi aate hain
Lambe lambe lafzon se hame buddhu ye banaate hain

Conference me jaayenge
Theory practice kaa ham farq mitaayenge

Kamla Bhasin

बल्ले बल्ले

बल्ले बल्ले सफाई में हम माहिर हैं
बोलो करदें जुल्मों का सफ़ाया
सफाई में हम माहिर हैं--

ओ बल्ले बल्ले भई औरत तो कमज़ोर चीज़ है
घर के बोझ वो सहेगी न अकेले, औरत तो कमजोर चीज़ है

बल्ले बल्ले गर लाज है श्रृंगार नारी का
तो वो बिना सजे ही रहेगी, गर लाज है श्रृंगार नारी का

बल्ले बल्ले भई नारी तो है रूप माँ का
अब वो काली माता ही बनेगी, नारी तो है रूप माँ का

बल्ले बल्ले हम देवी हैं न दासी हैं
हमें सिर्फ मानव ही समझ लो, देवी हैं न दासी हैं

बल्ले बल्ले भई औरत है बुनियाद देश की
अब बुनियाद बड़े ज़ोरों से हिलेगी, औरत है बुनियाद देश की

बल्ले बल्ले भई होशियार हो जाओ लोगों
हुआ नारी आन्दोलन चालू, होशियार हो जाओ लोगों

कमला भसीन

Balle balle

Balle balle safaai me ham maahir hai
Bolo kar den zulmon kaa safaaya
Safaai men ham maahir hain

O balle balle bhai aurat to kamzor cheez hai
Ghar ke bojh wo sahegee na akele, aurat to kamzor cheez hai

Balle balle gar laaj hai shringaar naari kaa
To wo bina saje hee rahegi, gar laaj hai shringaar naari kaa

Balle balle bhai naari to hai roop maan kaa
Ab wo kaali maata hee banegi — naari to hai roop maan ka

Balle balle ham devi hain na daasi hain
Hamen sirf maanav hee samajh lo, devi hain na daasi hain

Balle balle bhai aurat hai buniyaad desh kee
Ab buniyaad bade zor se hilegi — aurat hai buniyaad desh kee

Balle balle bhai hoshiyaar ho jaao logo
Hua naari aandolan chaaloo, hoshiyaar ho jao logo

Kamla Bhasin

आई हैं रे

आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं
आई हैं हम सब बहनें कुछ सुनने और कुछ कहने
कुछ सुनने और कुछ कहने जी एकता बढ़ाने
आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं–

खायेंगे, खायेंगे, खायेंगे आज हम क़समें, माँगेंगे हक़ हम अपने
माँगेंगे हक़ हम अपने, लड़ के लेंगे हक़ अपने
आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं–

बाँटेंगे, बाँटेंगे, बाँटेंगे दुख हम अपने, साकार करेंगे सपने
साकार करेंगे सपने, कानन बनेंगे अपने
आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं–

जान ली हैं, जान ली हैं, जान ली हैं उनकी बातें, जो हमको हैं बहकाते
जो हमको बहकाते और आपस में लड़ाते
आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं–

नेताजी, पंडित जी, मुल्लाजी तैयार ज़रा आप होलें खोलेंगे अब हम पोलें
खोलेंगे अब हम पोलें, बरसायेंगे हम शोले
आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं–

कर लेंगे, कर लेंगे, कर लेंगे अब हम एका, और नाश करे जुल्मों का
नाश करें जुल्मों का बेड़ा पार करें बहनों का
आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं–

नाचेंगे, नाचेंगे, नाचेंगे हम आज मिलकर,
गायेंगे हम आज मिलकर
गायेंगे हम आज मिलकर, धूम मचायेंगे
हम मिल कर!
आई हैं रे ऽ ऽ ऽ आई हैं–

कमला भसीन

Aayee Hain Re

Aayee hain re aayee hain
Aayee hain ham sab bahen,
kuchh sunne aur kuchh kahne
Kuchh sunne aur kuchh kahne jee ekta badhaane
Aayee hain re .....

Khaayenge — 2
Khaayenge ham aaj qasme. maangenge haq ham apne
Maangenge haq ham apne ladhke lenge haq apne — 2 —
Aayee hain re .....

Baatenge — 2
Baatenge dukh ham apne, saakar karenge sapne — 2
Saakar karenge sapne, qanoon banenge apne — 2 —
Aayee hain re .....

Jaan lee hain — 2
Jaan li hain unki baaten jo ham ko hain bahkaate — 2
Jo ham ko hain bahkaate aur aapas me ladate — 2 — Aayee
Aayee hain re .....

Netaji, panditji, mullaji
Tayaar zara aap ho len kholenge ab ham polen
Kholenge ab ham polen, barsaayenge ham sholary — 2
Aayee hain re .....

Kar lenge — 2
Kar lenge ab ham eka aur naash karen zulmon ka — 2
Naash karen zulmon ka beda paar karen bahnon ka — 2
Aayee hain re .....

Naachenge — 2
Naachenge ham aaj mil kar, gaayenge ham aaj mil kar
Gayeenge ham aaj mil kar — dhoom machaayenge ham mil kar — 2
Aayee hain re .....

Kamla Bhasin

पर लगा लिये हैं हमने

पर लगा लिये हैं हमने – 2
अब पिन्जरों में कौन बैठेगा – ज़रा सुन लो

जब तोड़ दी हैं ज़न्जीरें – 2
तो कामयाब हो जायेंगे – ज़रा सुन लो

खड़े हो गये हैं मिल के – 2
तो हम को कौन रोकेगा – ज़रा सुन लो

दीवारें तोड़ दी हमने – 2
अब खुल कर साँस लेंगे – ज़रा सुन लो

औरों की ही मानी अब तक – 2
अब खुदी को बुलन्द करेंगे – ज़रा सुन लो

देखो सुलग उठी है चिन्गारी – 2
के जुल्मों की शामत आई है, ज़रा सुन लो

मर्दों के बनाये कानून – 2
अब हमको मन्जूर नहीं – ज़रा सुन लो

कमला भसीन

(फ़िल्मी गीत 'उड़ें जब जब जुल्फें' की धुन पर)

Par lagaa liye hain hamne

Par laga liye hain hamne
Ab pinjron me kaun baithega — zara sun lo

Jab tod dee hain zanjeeren
To kaamyaab ho jaayenge — zara sun lo

Khade ho gaye hain mil ke
To ham ko kaun rokega — zara sun lo

Deewaaren tod dee hamne
Ab khul kar saans lenge — zara sun lo

Auron kee hee maanee ab tak
Ab khudi ko buland karenge — zara sun lo

Dekho sulag uthee hai chingaari
Ke zulmon kee shaamat aayee hai — zara sun lo

Mardon ke banaaye Qanoon
Ab hamko manzoor naheen — zara sun lo

Kamla Bhasin

(Based on the Hindi song tune "Ude jab jab zulfen teri")

धीरे-धीरे आई हममें चेतना

धीरे धीरे आई हममें चेतना हाँ जी धीरे धीरे आई हममें चेतना
अब रुकेंगे न, अब रुकेंगे न किसी भी हाल, आ गई चेतना
अब पूछेंगे हम, अब पूछेंगे हम खूब सवाल, आ गई चेतना

कौन साथी कौन दुश्मन है हाँ जी कौन साथी कौन दुश्मन है
अब करेंगे, अब करेंगे हरेक की पहचान, आ गई चेतना

ओ पंडित ओ मुल्लाजी सुनो जत्थेदारों, नेताजी हाँ जी ओ पंडित–
अब गलेगी न, अब गलेगी न आपकी दाल, आ गई चेतना

क्या हमारा फ़र्ज़ है और क्या हमारा धर्म है हाँ जी क्या–
इसका फ़ैसला इसका फ़ैसला करेंगे नहीं आप, आ गई चेतना

आधा भारत नारी है जब आधा भारत नारी है
वो बढ़ेगी तो, वो बढ़ेगी तो आगे बढ़े देश आ गई चेतना

स्वर्ग का चक्कर छोड़कर हाँ जी जन्नत का चक्कर छोड़कर
ज़मीं पर लायेंगे ज़मीं पर लायेंगे नया संसार, आ गई चेतना

°ीरे धीरे आई हममें चेतना हाँ जी धीरे धीरे आई हममें चेतना

कमला भसीन

Dheere dheere aayee ham me chetna
(we have awakened)

Dheere dheere aayee ham me chetna
Haanji! dheere dheere aayee ham me chetna
Ab rukenge na — 2, kisi bhi haal Aa gayee chetna
Ab poochhenge ham — 2 khoob sawal Aa gayee chetna

Kaun saathi kaun dushman hai, haanji kaun saathi ———
Ab karenge — 2 har ek ki pahchaan; Aa gayee chetna

O Pandit O Mullaji Suno jatthedaro Netaji Haanji — O Pandit
Ab Galegee na — 2 aap ki daal, Aa gayee chetna

Kya hamaara farz hai aur kya hamaara dharam hai — Haanji kya —
Is kaa faisla — 2 karenge nahin aap; Aa gayee chetna

Aadha Bharat naari hai jab aadha Bharat naari hai wo
uthego — 2 to aage badhe desh; aa gayee chetna

Aadha Bharat naari hai jab aadha Bharat naari hai
wo uthegi — 2 to aage badhe desh; aa gayee chetna

Swrag ka chakkar chhod kar, hannji jannat ka chakkar chhod kar
Zameen par layenge — 2 naya sansaar; Aa gayee chetna
Dheere dheere ----------

Kamla Bhasin

तोड़ तोड़ के बन्धनों

तोड़ तोड़ के बन्धनों को देखो बहनें आती हैं
ओ देखो लोगों देखो बहनें आती हैं
आयेंगी, जुल्म मिटायेंगी, वो तो नया ज़माना लायेंगी

तारीकी को तोड़ेंगी वो ख़ामोशी को तोड़ेंगी
हाँ मेरी बहनें अब खामोशी को तोड़ेंगी
मोहताजी और डर को वो मिलकर पीछे छोड़ेंगी
हाँ मेरी बहनें अब डर को पीछे छोड़ेंगी
निडर, आज़ाद हो जायेंगी
अब वो सिसक सिसक के न रोयेंगी
तोड़ तोड़ के बन्धनों को देखो बहनें आती हैं

मिल कर लड़ती जायेंगी वो आगे बढ़ती जायेंगी
हाँ मेरी बहनें अब आगे बढ़ती जायेंगी
नाचेंगी और गायेंगी वो फ़नकारी दिखायेंगी
हाँ मेरी बहनें अब मिलकर खुशी मनायेंगी
गया ज़माना पिटने का जी अब गया ज़माना मिटने का
तोड़ तोड़ के बन्धनों---

कमला भसीन

(पंजाबी गीत "कुट कुट बाजरा" की धुन पर)

Tod tod ke bandhanon ko (Breaking the shackles)

Tod tod ke bandhanon ko dekho bahne aati hain
O dekho logo dekho bahne aati hain
Aayengi, zulm mitaayengi, wo to naya zamaana laayengi

Khamoshi ko todengi, wo tariquee ko todengi
Haan meri bahnen ab tariquee ko todengi
Mohtaaji aur dar ko wo mil kar peeche chhodengi
Haan meri bahnen ab dar ko peeche chhodengi
Nidar aazaad ho jaayengi ab wo sisak sisak ke naa royengi
Tod tod ke .....

Mil kar ladti jaayengi wo aage badhti jaayengi

Haan meri bahnen ab aage badhti Jaayengi
Naachengi aur gaayengi wo fankaari dikhaayengi

Haan meri bahnen ab mil kar khushi manaayengi
Gaya zamaana pitne ka ji ab gaya zamaana mitne ka
Tod tod ke bandhanon ko .....

Kamla Bhasin

(Based on the Punjabi tune "Kut kut baajra")

ये वक्त की आवाज़

ये वक्त की आवाज़ है मिल के चलो
ये ज़िन्दगी का राज़ है मिल के चलो
मिल के चलो, मिल के चलो, मिल के चलो-चलो भई

आज दिल की रंजिशें मिटा के आओ
आज भेदभाव सब भुला के आओ,
आज़ादी से है प्यार जिन्हें देश से है प्रेम
क़दम-क़दम से और दिल से दिल मिला के आओ--
मिल के चलो--

ये भूख क्यों, ये जुल्म का है ज़ोर क्यों – जोर क्यों
ये जंग, जंग, जंग का है शोर क्यों – शोर क्यों
हरेक नज़र बुझी-बुझी, हरेक दिल उदास–
बहुत फ़रेब खाये अब फ़रेब और क्यों,
मिल के चलो--

जैसे सुर से सुर मिले हों राग के, राग के,
जैसे शोले मिल के बढ़ें आग के, आग के,
जिस तरह चिराग से जले चिराग
वैसे चलो भेद तेरा मेरा त्याग के
मिल के चलो, मिल के चलो, मिल के चलो

प्रेम धवन

Ye waqt kee aawaaz hai

ye waqt ki aawaaz hai mil ke chalo
Ye zindagi ka raaz hai mil ke chalo
Mil ke chalo, mil ke chalo, mil ke chalo
chalo bhai mil ke chalo — 3

Aaj dil ki ranjishe mitaa ke aao
Aaj bhed bhav sab bhula ke aao
Aazaadi se hai pyar jinhe desh se hai prem
Qadam qadam se aur dil se dil mila ke aayo — Mil ke chalo

Ye bhookh kyon ye zulm ka a hai zor kyon — zor kyon, zor kyon
Ye jang, jang, jang kaa hai shor kyon — shor kyon, shor kyon
Har ek nazar bujhi-bujhi har ek dil udaas
Bahut fareb khaaye ab aur fareb kyon — Mil ke chalo

Jaise sur se sur mile hon raag ke — raag ke, raag ke
Jaise sholay mil ke badhe aag ke — aag ke, aag ke
Jis tarah chirag se jale chirag
Vaise chalo bhed tera mera tyaag ke — Mil ke chalo

Prem Dhawan

तू खुद को बदल

दरिआ की क़सम मौजों की क़सम
ये ताना बाना बदलेगा
तू खुद को बदल तू खुद को बदल
तब ही तो ज़माना बदलेगा

तू चुप रह कर जो सहती रही
तो क्या ये ज़माना बदला है
तू बोलेगी मुँह खोलेगी
तब ही तो ज़माना बदलेगा

दस्तूर पुराने सदिओं के
ये आये कहाँ से क्यों आये
कुछ तो सोचो कुछ तो समझो
ये क्यों तुमने हैं अपनाये

ये पर्दा तुम्हारा कैसा है
क्या ये मज़हब का हिस्सा है
कैसा मज़हब किसका पर्दा
ये सब मर्दों का किस्सा है

आवाज़ उठा क़दमों को मिला
रफ़्तार ज़रा कुछ और बढ़ा
मशरिफ़ से उठो मग़रिब से उठो
फिर सारा ज़माना बदलेगा

(हिन्दुस्तान और पाकिस्तान की महिलाओं द्वारा एक वर्कशाप में रचित)

(क़व्वाली की धुन)

Too khud ko badal

Dariya kee quasam maujon kee qasam
Ye taanaa baanaa badlegaa
Too khud ko badal, too khud ko badal
Tab hee to zamaanaa badlegaa

Too chup rah kar jo sahtee rahee
To kyaa ye zamaana badla hai
Too bolegi munh kholegi
Tab hee to zamaana badlegaa — Dariya

Dastoor puraane sadiyon ke
Ye aaye kahaan se kyon aayed
Kuchh to socho kuchh to samjho
Ye kyon tumne hain apnaaye — Dariya

Ye purda tumhaara kaisa hai
Kyaa ye mazhab kaa hissa hai
Kaisa mazhab kiskaa purdah
Ye sab mardon kaa qissa hai — Dariya

Aawaaz utha qadmon ko milaa
Raftaar zara kuchh aur badha
Mashrif se uttho maghrib se uttho
Phir saara zamaana badlega

(An Indo-Pak Women's
group wrote this in a South Asian Workshop)
(Based on qawwaali tune)

नारीवाद क्या है

मिलने जुलने आई हैं हम बहनाँ री
आ के बैठो पास हमें कुछ कहना री

तुम नारीवादी अपने को बताती हो
हमें बता दो आज की तुम क्या चाहती हो
नारीवाद के किस्से जो फैलाये हैं
सच मेरी तू मान कि वो अफ़वाहें हैं

क्या दुश्मन मर्दों की तू मेरी बहनाँ री
सच बतलाना आज झूँठ ना कहना री

भले नेक मर्दों को कुछ न कहती हूँ
पर मर्दों के जुल्मों को मैं न सहती हूँ

ख़िलाफ खाँविंद के बीबी को बहकाती हो
घरों में दंगे फ़साद क्या करवाती हो जी

कैसी उल्टी बात बहन तुम कहती हो
अफ़वाहों की मौज में तुम भी बहती हो जी

अमन चैन हर घर में हम तो चाहते हैं
तभी तो जुल्मों ज़लालत को हटवाते हैं जी

दबी हमेशा औरत बहन मेरी भोली तू
जुल्मों की बातों को मार गोली तू

जो जुल्म सहें चुपचाप मेरी बहना री
वो करती हैं पाप ये मेरा कहना हो

मज़हब से चिढ़ती है क्या तू बहना हो
अपने दिल की बात मुझे तू कहना हो

हैं मज़हब ख़राब ये मैं ना कहती हूँ
वो करें अगर अन्याय तो चुप न रहती हूँ

मारधाड़ अपमान जो औरत पाती है
उसी से नारीवादी खुन्दक खाती है जी

यूँ औरत को देवी बहुत से कहते हैं
लड़की हो पैदा तो मातम करते हैं जी

अपने मन की करने की आज़ादी हो
माँग हमारी बहुत ही सीधी साधी हो

भली लगे तेरी बात मेरी बहना हो
अब मैं भी तेरे साथ हूँ प्यारी बहना हो

नारीवाद का नारा हम लगायेंगे
दीप प्यार का घर घर हम जलायेंगे

कमला भसीन

(पंजाबी गीत "सड़के सड़के जाँदिये" की धुन पर आधारित)

Milne julne aayee hain ham bahnaa ree
Aa ke baitho paas hame kuchh kahna ree

Tum nareewaadi apne ko bataati ho
Hamen bataa do aaj ke tum kyaa chaahti ho

Naariwaad ke qisse jo phailaaye hain
Sach meri tu maan ke wo afwaahe hain

Kyaa dushman mardon kee tu meri bahnaa ree
Sach batlaana aaj jhoont naa pahnaa ree

Bhale nek mardon ko kuchh na kahtee hoon
Par mardon ke zulmo ko main naa sahti hoon

Khilaaf khaawind ke beewee ko bahkaati ho
Gharon me dange fasaad kyaa karvaati ho ji

Kaisi ulti baat bahaan tum kahti ho
Afwaahon kee mauj me tum bhi bahtee ho ji

Aman chain har ghar me ham to chaahte hain
Tabhi to zulmo zalaalat ko hatwaate hain ji

Dabee hameshaa ourat bahan meri bholi too
Zulmon kee baaton ko maar goli too

Jo zulm sahen chupchap meri bahnaa ho
Wo karti hain paap ye mera kahnaa ho

Mazhab se chidhti hai kya meri bahnaa ho
Apne dil ki baat mujhe tu kahna ho

Hain mazhab kharaab ye main na kahtee hoon
Wo karen agar anyaay to main na sahti hoon

Maar dhaad apmaan jo aurat paati hai
Usee se naarivaadi khundak khaati hai ji

Yoon aurat ko devi bahut se kahte hain
Ladki ho paida to maatam karte hain ji

Apne man ki karne kee aazaadi ho
Maang hamaari bahut hi seedhi seedhi ho

Bhalee lage teri baat meri bahnaa ho
Ab main bhi tere saath hoon pyaari bahnaa ho

Naariwaad ka naara ham lagaayenge
Deep pyaar ka ghar ghar ham jalaayenge

Kamla Bhasin

(Based on the Punjabi tune "sadke sadke")

हसबैन्ड कहता है

हसबैन्ड कहता है माई वाईफ़ डज़न्ट वर्क जी कि हसबैन्ड कहता है
खॅाविंद कहता है बीबी काम नहीं करती कि खॅाविंद कहता है,
आ के देखो जी वो क्या क्या करती है
कि आ के देखो जी वो कितना करती है

सफ़ाई करती है वो खाना पकाती है
बच्चे जनती है और उनको पालती है
थोड़ी टीचिंग भी और थोड़ी नर्सिंग भी
जी लम्बी लिस्ट है कभी ख़तम नहीं होती – खॅाविंद---

पानी लाती है वो लकड़ी लाती है
खेत जाती है दफ़्तर भी जाती है
घर भी करती है बाहर भी करती है
दो दो कामों का वो बोझा सहती है
फिर भी – हसबैन्ड कहता है---

प्लानिंग करती है वो बजटिंग करती है
पब्लिक रिलेशन्स और अकाउन्टिग करती है
पति के सेवा वो जी भर के करती है
फ्री सैक्स से मन उसका भरती है
फिर भी हसबैन्ड कहता है---

न कोई सीएल है न फ्रैंच न ऐनुअल लीव
ये बिन तनखा और बिन मान का रोना जी
ओ हसबैन्ड देख ले हम क्या क्या करती हैं
ओ हसबैन्ड जान ले हम कितना करती हैं
क्योंकि –
हम अपने काम का अब मान माँगेंगे
अपने काम का अब दाम भी माँगेंगे
नहीं तो आज से हड़ताल कर देंगे
नहीं तो आज से हड़ताल कर देंगे

कमला भसीन

(पंजाबी गीत "काला डोरिया" की धुन पर आधारित)

Husband kahta hai

Husband kahta hai my wife doesnt work Jee ke husband kahta hai
Khaawind kahta hai beewee kaam naheem karti ke khaawind kahta hai

Aa ke dekho jee wo kya kya kartee hai
Aa ke dekho jee wo kitna kartee hai

Safaayee kartee hai wo khaanaa pakaati hai
Bachche janti hai our unko paalti hai
Thodee teaching bhee our thodee nursing bhee
Ki lambee list hai kabhee khatam naheen hoti—
Phir bhee — husband kahta hai

Paani laati hai wo lakdee laati hai
Khet jaati hai daftar bhee Jaati hai
Ghar bhee karti hai baahar bhee karti hai
Do do kaamon kaa wo bojha sahtee hai
Phir bhee — husband kahta hai

Planning karti hai wo budgeting karti hai
Public relations our accounting karti hai
Pati kee sewa wo Jee bhar ke karti hai
Free sex se man uska bharti hai —
Phir bhee husband kahti hai

Naa koyee CL hai naa french naa annual leave ye bin tankhaa
our bin maan ka rona Jee
O husband dekh le ham kyaa kyaa karti hain
O husband jaan le ham kitna karti hain

Kyonke — Ham apne kaam kaa ab maan maangenge
Apne kaam kaa ab daam bhee maangenge
Naheen to aaj se hadtaal kar denge
Naheen to aaj se hadtaal kar denge

Kamla Bhasin
(Based on the Punjabi tune "kaala doriya")

झूठे धरमों ने

भोले लोगों को बहकाया झूठे धरमों ने, हाँ जी सारे धरमों ने
सारे देशों को बंटवाया झूठे धरमों ने, हाँ जी सारे धरमों ने
जगह-जगह जग कराये – तौबा
रिश्ते भंग कराये – तौबा
दँगे फ़साद कराये – तौबा
घर बरबाद कराये – तौबा
झूठे धरमों ने ---

धरम करम के नाम पे कितने खून ख़राब होते
दुनिया शायद बेहतर होती, धरम अगर न होते
झूठे धरमों ने ---

ठेकेदार धरमों के देखो मोटे होते जाते
चूस चूस केखून गरीबों का वो सेहत बनाते
झूठे धरमों ने ---

ऊंच नीच और तेरा मेरा करे जो धरम नहीं है
खून से जिस के हाथ भरे हैं क्या वो धरम सही है
झूठे धरमों ने ---

दुनिया के हर धरम को लोगों मर्दों ने बनाया
तभी तो सारे धरमों ने है औरत को सताया
झूठे धरमों ने ---

देखो लेकर अपनी ताक़त बहनों की फ़ौज आई
यही करेंगी रग़ड़ रग़ड़ कर धरमों की सफ़ाई
झूठे धरमों ने ---

कमला भसीन (पंजाबी धुन 'चरखा चन्दन दा' पर आधारित)

Jhoonthey dharmon ne

Bhole logon ko bahkaayaa jhoonthe dharmon ne,
Haanji jhoonthe dharmon ne
Saare deshon ko batwaaya jhoonthe dharmon ne,
Haanji jhoonthe dharmon ne

Jagah-jagah jang karaaye—tauba
Rishte bhang karaaye—tauba
Dange fasaad karaaye—tauba
Ghar barbaad karaaye—tauba
Jhoonthe dharmon ne — — —

Dharam karam ke naam pe kitne khoon kharaabe hote
Duniya shaayad behtar hoti dharam agar naa hote
Jhoonthe dharmon ne — — —

Thekedaar dharmon ke dekho mote hote jaate — 2
Choos Choos ke khoon gareebon kaa wo sehat banaate — 2
Jhoonthe dharmon ne — — —

Oonch neech our tera mera kare jo dharm nahee hai — 2
Khoon se jis ke kaath bharè hon kyaa wo dharm sahee hai — 2
Jhoonthe dharmon ne — — —

Duniya ke har dharm ko logo yogo mardon ne banaaya — 2
Tabhi to saare dharmon ne hai aurat ko sataaya — 2
Jhoonthe dharmon ne — — —

Dekho le kar Jhaadoo Jhaadan balhnon kce fauj aahee — 2
Wahee karengi ragad ragad ke dharmon kee safaayee — 2
Jhoonthe dharmon ne — — —

Kamla Bhasin
(Based on the Punjabi tune "Charkha Chandan da')

न्यू ऐज प्रिंटिंग प्रेस, नई दिल्ली-110055, से मुद्रित।